VOL. 38, OCT. - DEC. 2011

IN THE NAME OF GOD

FOR FREE CIRCULATION WITHOUT ANY COMMERCIAL OBJECTIVE

# अंतरध्वनि

## The Inner Voice

MISSION CONSCIOUSNESS
GOD bless you
MISSION HAPPINESS

# DIVINE LIFE REMINDERS FOR LOVE + PEACE + JOY

MISSION CONSCIOUSNESS
Remember GOD Remain HAPPY
MISSION HAPPINESS

We may be successful in life
but
Is our life successful ?

मोह माया को छोड़ना है
या
उसकी दिशा को मोड़ना है?

हमारा Business केवल लाभकारी है या हितकारी भी है?

चिता पर लेटने से पहले
चित्त साफ क्यों और कैसे?

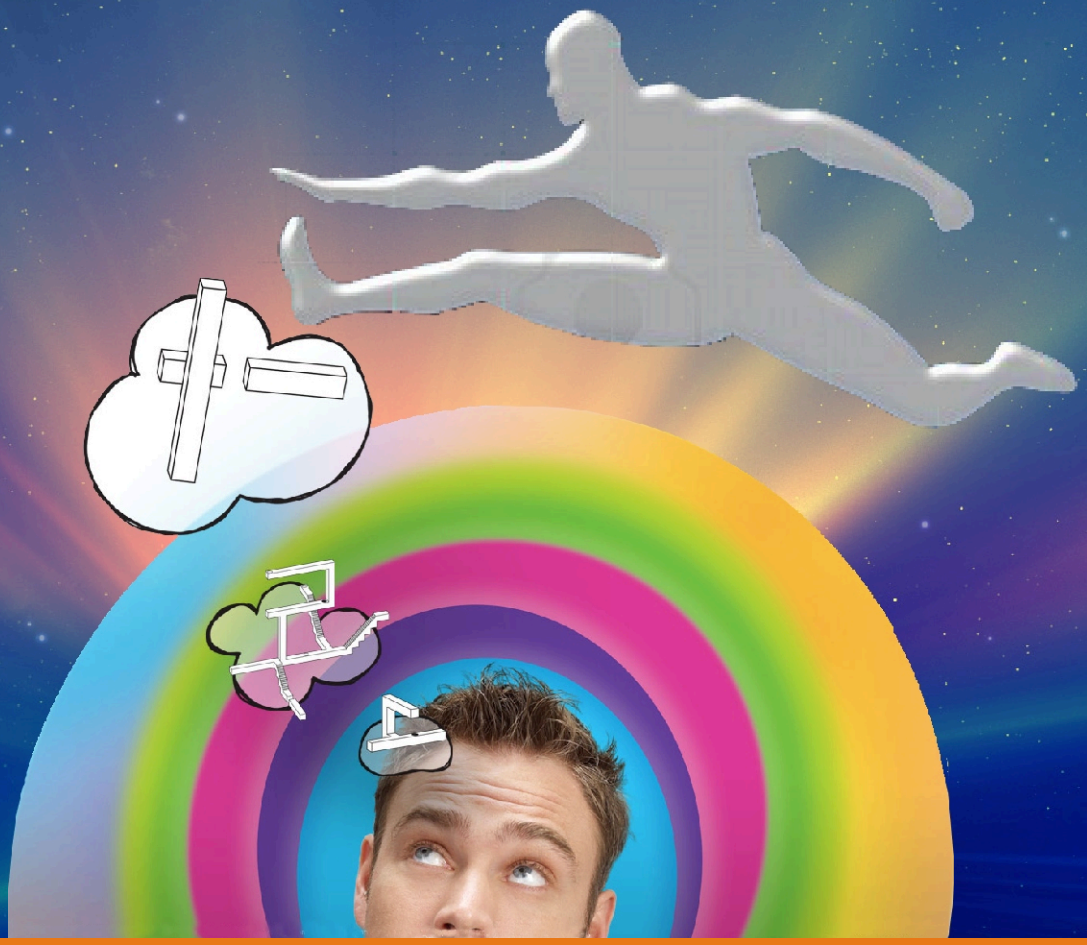

Science of LIVING

## DIVINE LIFE SCIENCES

Science of LEAVING

From SOIL Consciousness to SOUL Consciousness

# Who are You?
# आप कौन हैं?

सुख या तृप्ति या happiness की यात्रा का पहला और महत्वपूर्ण चरण है – **अपनी Real पहचान।** आप किसी से पूछिए कि आप कौन हैं ?

तब कोई कहता है मैं Businessman हूँ, कोई, Doctor, कोई Officer, सभी अपने को कामों से जोड़ लेते हैं।

All these are occupations - Temporary roles लेकिन Mostly लोगों ने अपने mind की ऐसी ही conditioning कर ली है।

**इसी वजह से Real identity छुप गई, जिसमें जीना सरल व सहज था।**

**Temporary Identity ने compete करने व struggle करने के लिए बाध्य कर दिया।**

**So what to do?**

I must remember - **मैं एक सूक्ष्म पवित्र शक्ति हूँ।** इसका ध्यान दिन में 10–20 times करना। **यह पृथ्वी मेरा Earth School है। यह मेरा स्थायी निवास नहीं है।**

**मैंने (आत्मा) शरीर पाया माता-पिता के through, enjoyment के साथ enlighten होने के लिए।**

मेरा मूल स्वभाव है – **Peace+Love+Joy.** शान्ति+प्रेम+प्रसन्नता ऐसा बार बार Conscious mind से सोचने पर Sub conscious mind वैसा ही childlike बन जाएगा।

**Childish (Immature) होने में व Childlike (Innocent) होने में जीवन का Standard ही बदल जाता है।**

**दुनिया के समन्दर में हर जान अकेली है**
**उलझो तो पहेली है, समझो तो सहेली है।**

# हमारा

# क्या केवल लाभकारी

या

# हितकारी भी?

| हितकारी (दीर्घकालीन) for Long Period | लाभकारी (अल्पकालीन) for Short Period only |
|---|---|
| सुख शान्ति का लक्ष्य | केवल मुनाफे का उद्देश्य |
| दूसरे पक्ष का भी ख्याल | केवल अपना ख्याल |
| चेहरे पर मुस्कान | चेहरे पर कम रौनक |
| मन में विनम्रता | मन में कठोरता |
| मधुर वाणी | कड़क वाणी |
| अपने जन्म व मरण का ध्यान | इसी जन्म को सब कुछ मान लेना |
| 30% profit में भी बरकत | 40% से 50% Profit में भी हायतौबा |
| दूसरों पर दबाव न डालना (Genuine मुनाफा) | दूसरों पर दबाव डालकर मुनाफा ज्यादा लेना |
| Positive Energy प्राप्त करना (शुभकामनाएँ) | Negative Energy प्राप्त करना (बद्दुआएँ) |
| शरीर व मन से Healthy | शरीर व मन से कष्टमय |
| अपने व दूसरों के मान-सम्मान का ख्याल | मान-सम्मान की परवाह कम करना |
| फिजूलखर्च न होना | फिजूलखर्च हो जाना |
| अधिकतर प्रसन्नचित्त रहना | सामान्यत: चिड़चिड़े या जल्दबाज़ी में रहना |

**जैसा अन्न वैसा ही मन** **जैसी आय वैसा ही न्याय**

**जन्म - मृत्यु का ध्यान, तभी होगा जीना आसान**

# Illness में Wellness कैसे?

*Live your best and be prepared for the worst.*

अचानक आई बीमारी के लिए अक्सर प्राणी तैयार नहीं होते। कुछ तो अपने मन की कमजोरी, बाकि कसर, आसपास वाले मित्र-रिश्तेदार पूरी कर देते हैं।

Practical help कम और lip service ज्यादा आने लगती है।

Therefore दूसरों का मोहताज होने से बचना जरूरी है।

Disease क्यों हुई ? **इसका मूल कारण जानकर, समझना जरूरी है।** Physical और Physiological कारण तो - Doctors बता ही देते हैं।

Spiritual कारण होता है, Balancing of Energy का जिसे धर्मशास्त्रों में **कर्मों का सिद्धांत** कहा जाता है। for example, mosquitoes सभी को काटते हैं। Dengue, malaria किसी-किसी को ही क्यों होता है ? Immune System strong होते हुए भी microbes dominate कर जाते हैं और subject experts की समझ के beyond हो जाता है।

**इसलिए सर्वप्रथम, सर्वकल्याणकारी शक्ति से क्षमा मांगना लगातार हृदय से, न केवल शब्दों से।**

**इससे आत्म विश्वास जागृत होता है क्योंकि ईश्वरीय शक्तियाँ क्षमाशील हैं।**

**सच्चे दिल वाले को पहचान लिया जाता है, Divine Powers के द्वारा।**

God power, अपने Divine Laws को bypass किए बिना

**power of tolerance and strength to fight, को remarkably increase कर देती है।**

इससे ग्लानि, घबराहट, निराशा जैसी Negative Energy कम होती जाती हैं तथा

**Confidence, optimism, आशावादिता बढ़ने लगती है।**

**पापों से डरते हुए, शुभ कर्म करने का मन करने लगता है।** प्रसन्नता बढ़ती जाती है व यह कहने की स्थिति आ जाती है

**शाखों से टूट जाएँ, वो पत्ते नही हैं हम**
**आँधी से कह दो कि औकात में रहे।**

# Mission Happiness में Sale Awakening नहीं Soul Awakening

## क्यों और कैसे ?

**Marketing! और वह भी Medicines की! कितनी Tough, कितने Tension, कितने Troubles, कितनी Bargaining! सभी जानते हैं। ऐसे में शान्त रहते हुए सफल कैसे हों?**

**How to bring about prosperity with peace and purity?**

**Choice हमारी है**

**या तो mind से जी लें या फिर soul से !**

| Mind से Marketing | Soul से Promotion |
|---|---|
| 1. Employees बनाकर काम लिया जाता है। | As, Fellow beings बराबर का treatment दिया जाता है |
| 2. Amount wise and production wise Targets Achieve करने ही होते हैं। | Amount wise, Production wise self accepted Aims Achieve होने लगते हैं। |
| 3. Pressure में काम करना पड़ता है। | Pleasure में worshiping (कर्म ही पूजा) करने पर ध्यान दिया जाता है। |
| 4. मान मर्यादा पर कम ध्यान – जैसे भी हो, sale लेनी है। | माता-पिता की मान मर्यादा तथा Self Respect सहित Success प्राप्त होनी है। |
| 5. Anger, frustration, झूठ, वायदाखिलाफी पर नियंत्रण नहीं रह पाना | सुख+शान्ति+सत्य+प्रेम का Prime motive जिससे Life quality Improve होती है। |
| 6. Doctors व Chemist के समक्ष Temporary लाभों का चित्रण | Doctors व Chemist के लिए हितकारी, Beneficial, Inner Awakening दृष्टि जो सदा-सदा रहने वाली है। |
| 7. Detailing तथा Conversation में प्रभु का Negligible वर्णन | Divine Interaction (Doctor's Call) में ईश्वरीय शक्तियों का निरन्तर चित्रण व वर्णन |
| 8. Tension ही Tension | **Full Attention without Tension** |
| 9. केवल professional life पर ध्यान | Professional के साथ-साथ Personal, Emotional and Spiritual well being पर भी focus |

**Soul Awakening हो गई तब Sale तो प्राकृतिक रूप से आ ही जाएगी।**

# Body, Diseases and Soul

## An Internal Chemistry

# शरीर, बीमारियाँ व आत्मा

## अन्दर का रिश्ता

| Body/Soil Consciousness | v/s | Soul Consciousness |
|---|---|---|
| Human body | v/s | Being |
| ↓ | | ↓ |
| Humus (Latin World) | v/s | Life Force |
| ↓ | | ↓ |
| Soil (मिट्टी) | v/s | Soul (आत्मा) |
| ↓ | | ↓ |
| Soil Consciousness | v/s | Soul Consciousness |
| ↓ | | ↓ |
| I-Ness (मैं) | v/s | Oneness (हमारापन) |
| + | | + |
| Ego (अहंकार) | v/s | Knowledge (ज्ञान) |
| + | | + |
| Fear, Anger (क्रोध, भय) | v/s | Purity (शुद्धता) |
| + | | + |
| Lies, Laziness (झूठ, आलस्य) | v/s | Peace (शान्ति) |
| + | | + |
| Carefreeness (लापरवाही) | v/s | Love (प्रेम) |
| + | | + |
| Depression | v/s | Happiness (प्रसन्नता) |
| = | | = |
| **Diseases of Body & Mind** | v/s | **Happiness of Body & Mind** |

**The loss or disturbance of ease is called Disease**

**INCURABLE DISEASE** means

**It can not be cured by outer methods (Medicines / Surgery)**

**In + curable अपने अन्दर जाकर इनका Cure है।**

**i.e. Our true Innerself - Soul (Being) Cure कर सकता है।**

GOD BLESS YOU

# हमें
# Externally Warm
# but
# Internally Harm
# करने में कौन लगा है और क्यों?

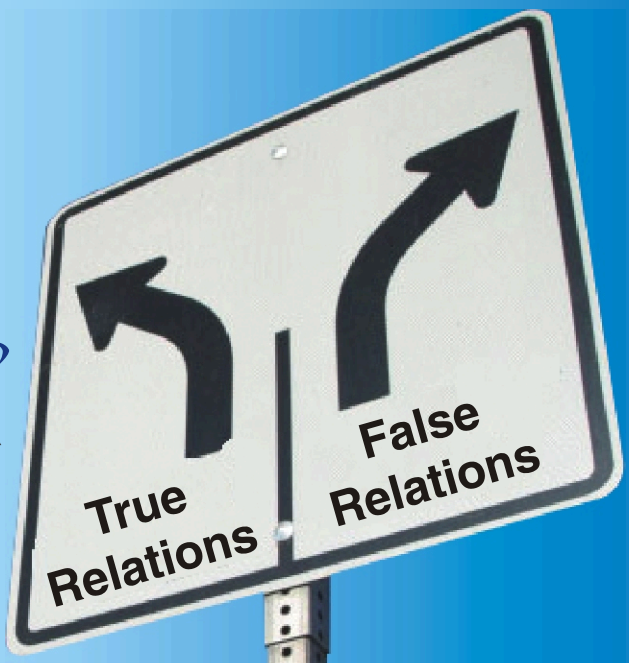


आजकल, लोभवश, बहुत से प्राणी, दूसरों को Internally Damage करने में लगे हैं, जबकि Externally ऐसा प्रतीत होता है कि वे हमें लाभ पहुंचा रहे हैं। English में इस phenomenon को कह सकते हैं Sweat poisoning जैसे Adolescent age में दोस्त, सिगरेट, शराब का सेवन, पहले free में करवाते हैं। न करने पर persuade करते हैं। फिर बाद में कब habitual हो जाते हैं, पता ही नहीं चलता।

**अपना कारोबार multiple करने के लिए प्रलोभन इतनी खूबसूरती से देते हैं कि लेने वाला captivate हो जाता है।**

(a) अरे सभी कर रहे हैं।

(b)खर्चे इतने बढ़ गए हैं कि meet out कैसे करें ?

(c) Competition में Advertisement देने पड़ते हैं, कमीशन देना पड़ता है वगैरह-वगैरह। परन्तु इसके Dangerous effects को वैसे ही Ignore कर देते हैं जैसे कि बिल्ली को देखकर फाख्ता आँखे बन्द कर लेता है।

साफ सुन्दर चादर को मैला कर देते हैं।

15-20 वर्षो में चिता पर लेटने का समय आते देर नहीं लगती।

**तत्काल हानि**

(a) Loss of Happiness
(b) Irritation
(c) Fearfulness
(d) Bad name
(e) Lower self esteem

**दीर्घकालीन हानि- मैला व कमजोर मन लेकर संसार से विदाई**

**हम मानें या न मानें, किन्तु Soul and Mind की life अलग-अलग Astral planes में होती है, physical शरीर छोड़ने के बाद।**

## यदि शुद्ध हैं - तभी शुभ होगा !

***Live Wisely - Die Nicely***

# चिता पर लेटते समय हमारा चित्त कैसा होगा, धन में डूबा हुआ या धर्म में?

चित्त होता है गहरा मन। इसी को Subconscious Mind भी कहते हैं। जैसा हम लगातार सोचते रहते हैं, वैसे ही Automatic हमारे अवचेतन मन (चित्त) की दशा बनती जाती है। For Example यदि हम ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाने पर ही सोंचते रहेंगे, कब हमारा चित्त लोभी बन चुका होगा **हमें पता भी नहीं चलेगा।**

अब Law of Attraction काम करना शुरू कर देगा। हमारी Life में ऐसे लोग आते जाएँगे जो हमारी जरूरतें पूरी करने लगेंगे। The tendency to satisfy greed will become more and more pronounced इसी को D.N.A. imprinting भी कहते हैं, जो चरित्र का रूप लेती है और अगले जीवन तक पीछा नहीं छोड़ती। हमारी सुन्दर सी, प्यारी मन की सफेद चादर को कुछ लोग आकर मैला कर जाएँ, हमारा **deep and permanent damage** कर जाएँ। **क्या हमें ऐसे तत्वों को permission देनी चाहिए?**

चित्त में लालच रहेगा तो fear भी बढ़ता जाएगा। This Greedy & fearful mind से हम सुखी कैसे रह सकते हैं?

**जबकि हमारा Goal तो Happy होना था।**

**Goal ही गोल हो गया?**

**चिता पर शरीर लेटेगा, चित्त नहीं। धन यहाँ रह गया, कमजोर मन लेकर आगे पूरा Account देना पड़ेगा।**

**Therefore मुश्किलें यहां मशक्कत वहां।**

**Sensible Choice :**

**यदि सभी कार्य करते हुए, मन ही मन**

**God से sorry and thanks कहने की आदत पड़ जाए, तब Divine Virtues**

**हमारी Solid Wealth बन जाएंगी तभी**

**साफ चित्त से चिता पर लेटेंगे**

Published by MISSION HAPPINESS. Ph. : 9837032053. e-mail : contact@missionhappiness.in website : www.missionhappiness.in Printed by : CANNON